# VISION IAS

www.visionias.in

## GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2363)

| | | | |
|---|---|---|---|
| Name of Candidate | Ishwar lal Gurjar | | |
| Medium Eng./Hindi | Hindi | Registration Number | 1295818. |
| Center | Jaipur | Date | 28 Aug 2024. |

### INDEX TABLE

| Q. No. | Maximum Marks | Marks Obtained |
|---|---|---|
| 1 | 10 | |
| 2 | 10 | |
| 3 | 10 | |
| 4 | 10 | |
| 5 | 10 | |
| 6 | 10 | |
| 7 | 10 | |
| 8 | 10 | |
| 9 | 10 | |
| 10 | 10 | |
| 11 | 15 | |
| 12 | 15 | |
| 13 | 15 | |
| 14 | 15 | |
| 15 | 15 | |
| 16 | 15 | |
| 17 | 15 | |
| 18 | 15 | |
| 19 | 15 | |
| 20 | 15 | |

Total Marks Obtained:

Remarks:

### INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **HINDI & ENGLISH.**
   इसमें बीस प्रश्न हैं **हिन्दी और अंग्रेजी** में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

| Is student recommended for One-to-One mentoring? | |
|---|---|
| Recommended | Strongly Recommended |

# EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

For one-to-one mentoring session on this copy, call us at 7042691891 or send an email to appointment@visionias.in

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. प्राचीन काल में भारतीय संस्कृति के विदेशों में प्रसार के विभिन्न माध्यम क्या थे? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What were the various modes through which Indian culture spread abroad in the ancient period? (Answer in 150 words) 10

प्राचीन काल में भारतीय शासकों, भिक्षुओं यात्रियों और व्यापारियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति का प्रसार विश्व के अन्य देशों तक हुए।

**प्रसार के विभिन्न माध्यम**

(1) **शासकों के द्वारा** → सम्राट अशोक ने अपने धम्म की शिक्षा और बौद्ध धर्म के प्रचार हेतु अपने पुत्र-पुत्री (महेन्द्र और संघमित्रा) को श्रीलंका भेजा। जिससे भारतीय संस्कृति का प्रसार हुआ

(2) **स्थापत्य-मूर्तिकला द्वारा** → अशोक के स्तम्भों द्वारा जैसे- अफगानिस्तान में अशोक स्तम्भों में ग्रीक व खरोष्ठी लिपि तथा पालि-प्राकृत भाषा का प्रसार

प्राचीन काल में भारतीय संस्कृति का प्रसार निम्न क्षेत्रों में

↳

* मध्य एशिया में बौद्ध धर्म का प्रसार
* दक्षिण-पूर्व एशिया में चौल कालीन हिन्दू-बौद्ध संस्कृति
* श्रीलंका में तमिल संस्कृति

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3). सैन्य अभियानों के माध्यम से। जैसे- चोल शासक राजराज-प्रथम व राजेन्द्र प्रथम ने मलेशिया, थाईलैण्ड, म्यामार व सम्पूर्ण दक्षिण-पूर्व एशिया के द्वीपों तक सैन्य अभियान किया।

(4) सांस्कृतिक आदान-प्रदान द्वारा → विदेशी यात्री जैसे- इब्नबतूता, अब्दुल रज्जाक, मेगस्थनीज, ह्वेनसांग, ह्वेनसांग, तारानाथ, बर्नियर ने भारतीय संस्कृति का प्रचार अपने यात्रा-वृतांतों के माध्यम से किया।

(5) विदेशी व्यापार द्वारा → मौर्यकाल में बिम्बिसार द्वारा रोमन व्यापारियों के साथ भारतीय दार्शनिकों को यूरोप भेजा।

(6) विदेशी आक्रांताओं जैसे- यूनानी, हूण, शक, कुषाण भारतीय संस्कृति को अपनाकर विश्व में फैलाया जैसे- योग, आयुर्वेद, दशमलव प्रणाली, अरबअंक पद्धति, शून्य की समझ आदि

अतः भारतीय संस्कृति के विदेश में प्रसार के लिए विदेशी व देशी माध्यमों का महत्वपूर्ण योगदान है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. पूंजीवादी अनिवार्यताओं से प्रेरित औपनिवेशिक आर्थिक नीतियों ने भारत में अकाल की स्थितियां उत्पन्न करने के साथ-साथ उन्हें और भी बदतर बना दिया। उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Colonial economic policies, driven by capitalist imperatives, created and even exacerbated the conditions for famines in India. Explain with examples. (Answer in 150 words) 10

कंपनी राज (1758 से 1857) तक भारत में 12 बड़े और 4 छोटे अकाल पड़े। जैसे- 1770 ई. में बंगाल के भीषण अकाल में बंगाल की एक तिहाई आबादी समाप्त हो गई। औपनिवेशिक आर्थिक नीतियों ने इन अकालों की निरंतरता और भीषणता को और बढ़ा दिया।

**औपनिवेशिक नीतियाँ और अकाल**

- **कृषि का व्यावसायीकरण** करने से मोटे अनाज और खाद्यान्न की कमी हुई तथा नकदी फसलों जैसे- कपास, नील, तंबाकू, चाय का उत्पादन बढ़ा किन्तु इसका लाभ किसानों की बजाय बिचौलियों को हुआ।
- **भू-राजस्व की शोषणकारी नीतियों** में महालवाड़ी, जमींदारी या स्थायी बन्दोबस्ती, रैयतवाड़ी ने लगान को बढ़ाया और नकद लगान से ग्रस्त किसान महाजनों के चंगुल में फंसता गया।

(3) एक तरफा कर प्रणाली या प्रतिगामी कर - भारतीय उत्पादों पर यूरोप में अधिक कर लगाया गया तथा 1813 के चार्टर द्वारा भारतीय बाजार को ब्रिटेन की वस्तुओं के लिए खोल देने से भारतीय हस्तशील्प और उद्योगों का पतन हुआ।

(4) खाद्यान के निर्यात के कारण बाजार में खाद्यान की कमी हुई। अकाल के दौरान जब लोग मर रहे थे तब भी भारत से खाद्यान यूरोप भेजा जा रहा था।

(5) रेलवे के विकास से दूर-दराज क्षेत्रों के खाद्यान को बंदरगाह तक पहुंचाया। इससे भारत में एकीकृत बाजार तो बना पर वैश्विक उतार चढाव के प्रति सुभेद्यता भी बढ़ी।

अतः वि-औद्योगीकरण से खेती पर दबा बढ़ा और मुद्रा अर्थव्यवस्था के कारण भारत की ग्रामीण स्वावलम्बी अर्थव्यवस्था नष्ट हुई। क्रय शक्ति में कमी के कारण लोग खाद्यान नहीं खरीद पाए और इन शोषणकारी नीतियों ने देश को भुखमरी में धकेल दिया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. वर्तमान में, भारत में प्राप्त नागरिक स्वतंत्रताएं भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के राजनीतिक मूल्यों और आदर्शों का प्रत्यक्ष प्रतिबिंब हैं। उदाहरण सहित विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

The civil liberties enjoyed in India today are a direct reflection of the political values and ideals of the Indian National Movement. Discuss with examples. (Answer in 150 words) 10

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन कांग्रेस की स्थापना (1885 ई.) के पश्चात संगठित तरीके से नरमदल, गरमदल व गांधीवादी चरण में उच्च नैतिक मूल्यों के साथ संचालित हुआ जो आज भी भारतीय संविधान और समाज के मूल्यों में झलकता है।

भारत में नागरिक स्वतंत्रताओं पर राष्ट्रीय आन्दोलन के मूल्यों व आदर्शों को इस प्रकार देखा जा सकता है → ① अनुच्छेद-19 में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, संगठन बनाने की स्वतंत्रता राष्ट्रीय आन्दोलन की भी महत्वपूर्ण मांग रही — जैसे — व्यक्तिगत सत्याग्रह (1940)

② राजनीतिक स्वतंत्रताओं में वोट देने का अधिकार और निष्पक्ष चुनाव का अधिकार आज अनु.-326 के तहत एक संवैधानिक अधिकार है जो स्वतंत्रता आन्दोलन में नेहरू की

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

व बोस की मांग भी थी।

③ नेहरू रिपोर्ट (1928 ई.) में मौलिक अधिकारों व नागरिक स्वतंत्रता का उल्लेख मिलता है। जिन्हे संविधान के भाग - III में अपनाया।

④ विरोध करने का अधिकार सत्य व अहिंसा के साथ सत्याग्रह का अधिकार गांधी जी के महत्वपूर्ण हथियार थे जिन्हे आज भी सामयिक आन्दोलन में अपनाया जाता है - जैसे - RTI आन्दोलन, नर्मदा बचाओ आन्दोलन

⑤ प्रेस की स्वतंत्रता राष्ट्रीय आन्दोलन की अहम मांग थी जिसे अनु. 19(1) में अपनाया गया।

राष्ट्रीय आन्दोलन में आत्मबलिदान नागरिक कर्तव्यों (FD), त्याग, समर्पण, राष्ट्रभक्ति, स्वच्छता, धर्मनिरपेक्षता जैसे मूल्यों को अपनाया जो आज भारत के संविधान और समाज के अभिन्न अंग है।

4. इजरायल और फिलिस्तीन के बीच बहु-दशकीय संघर्ष को वर्तमान समय में भी उग्र बनाए रखने के लिए कौन-से कारक उत्तरदायी हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What are the factors that have kept the multi-decadal conflict between Israel and Palestine raging even in contemporary times? (Answer in 150 words) 10

इजरायल पर हमास के हमले के बाद इजरायल द्वारा जवाबी कार्यवाही में अब तक - 40 हजार लोगों की मौत हो गई। साथ ही सम्पूर्ण पश्चिमी और मध्य एशिया में संघर्ष और युद्ध का खतरा बना हुआ है।

**उग्र बनाए रखने वाले महत्वपूर्ण कारक**

(1) **हमास** जैसे आतंकी संगठन की गजा से बढ़ती स्वीकार्यता ने इस हिंसा को भड़काया।

(2) **ईरान** द्वारा हमास को संरक्षण देकर प्रोक्सी वॉर डिप्लोमेसी द्वारा अपने हितों की पूर्ति का प्रयास।

(3) **इजरायल** द्वारा **UNO** के द्विराष्ट्र-सिद्धान्त को स्वीकार न करने के कारण फिलिस्तीन लोगों में असंतोष का बढ़ना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

④ संयुक्त राष्ट्र अमेरिका द्वारा इजरायल की अनुचित मांगों का समर्थन करने से मध्य व पश्चिम एशिया में शक्ति-संतुलन का बिगड़ना जैसे - USA द्वारा युद्धविराम लागू न करवा पाना

⑤ रूस द्वारा यूक्रेन पर हमला करने से वर्ल्ड ऑर्डर में भू-राजनीतिक विवादों का पिटारा खुलना।

⑥ UNO की असफलता - इजरायल - फिलिस्तीन वाद 1948 से UNO में लम्बित है। UNSC की कुव्यवस्था के कारण कोई समाधान नहीं

इन सबके अलावा हथियारों की बिक्री करने वाली कम्पनियों द्वारा व यहूदी लॉबी के दबाव के कारण भी वर्तमान संघर्ष समाप्त नहीं हो रहा।

भारत ने शांति व सम्प्रभुता के अपने सिद्धान्त को दोहराते हुए डायलॉग, डिप्लोमेसी से विवादों के समाधान की बात कही है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. भूमध्य सागर के निकटवर्ती क्षेत्रों में स्थानीय पवनें अधिक प्रभावी क्यों हैं? ये क्षेत्रीय जलवायु और स्थानीय आबादी के जीवन को कैसे प्रभावित करती हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Why is there a prominence of local winds in regions around the Mediterranean Sea? How do they influence regional climates and the lives of local populace? (Answer in 150 words) 10

भूमध्य सागर के निकटवर्ती क्षेत्रों में कई गर्म व ठंडी स्थानीय पवनें जैसे- हैमटन, सिरोको, डॉक्टर विंड सक्रिय है। ऐसा भौगोलिक व जलवायवीय कारणों से होता है। जिसका प्रभाव पर्यावरण और जीवन दोनों पर पड़ता है।

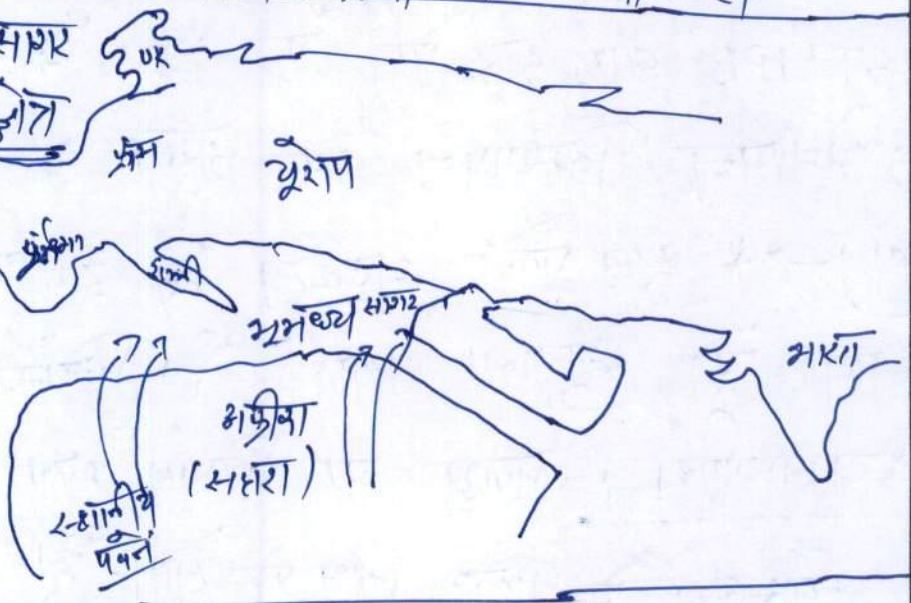




अधिक प्रभावी होने के कारण

(1) तापमान वितरण में असमानता के कारण अफ्रीका के सहारा क्षेत्र से हवाएं भूमध्य सागर की ओर बहती है। जैसे- डॉक्टर विंड

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② निम्नदाब की दशाएं स्थानीय पवनों की उत्पत्ति का मुख्य कारण है। यूरोप में अल्प दाब की दशा के कारण भूमध्य सागर की तरफ पवनों का संचरण

③ ध्रुवीय जेट पवनों के कारण भी स्थानीय पवनों की दिशा में परिवर्तन होता है।

④ STHPB वायु दाब पेटी के सूर्य के उत्तरायण व दक्षिणायन विस्थापन के कारण

प्रभाव → * कुछ पवनें शुष्कता को दूर कर मौसम को सुहाना बनाती है। जिससे भूमध्यसागरीय जलवायु का निर्माण होता है जो स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद होती है।

* आल्पस पर्वत और बर्फीली चोटियों की शीत लहर को कम करती है।

* लाल आँधी का कारण बनती है।

* फसलों के लिए व बागवानी के उत्पादन को बढ़ाकर लाभ पहुँचाती है।

अतः इन पवनों का जीवन पर बहुआयामी प्रभाव होता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. पारिस्थितिकी तंत्र और भौगोलिक क्षेत्रों पर चक्रवातों के सकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव का वर्णन कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Explain the positive environmental impact of cyclones on ecosystems and geographical areas. (Answer in 150 words) 10

चक्रवात मुख्य रूप से दो प्रकार के होते है। ① उष्णकटिबंधीय चक्रवात जो 5°–30° उत्तरी / दक्षिणी अक्षांशों में निम्न दाब के कारण उत्पन्न होते है और जोरदार वर्षा करते है। वही ② शीतोष्णकटिबंधीय चक्रवात 30–65° अक्षांशों के मध्य वाताग्र के कारण उत्पन्न होते है।

चक्रवातों के सकारात्मक पर्यावरणीय प्रभाव

① वर्षा को बढ़ाकर क्षेत्र में जल की पूर्ति करते है। जैसे – उष्णकटिबंधीय चक्रवात ग्रीष्म ऋतु के बाद हिन्द महासागर, चीन सागर के देशों में वर्षा करवाते है जहां वर्षावनों का विकास होता

② वायुराशियों में परिवर्तन करते है जो पर्यावरण पर सकारात्मक बदलाव लाते है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ महासागरीय धाराओं में बदलाव करता है जिससे नौवहन व मत्स्य उद्योग को फायदा

④ पछुवातों द्वारा जेट स्ट्रीम में बदलाव जैसे: भूमध्य सागरीय क्षेत्र में उत्पन्न शीतोष्ण-कटिबंधीय चक्रवात भारत में पश्चिमी विक्षोभ के कारण शीतकालीन वर्षा करवाते हैं

⑤ जैव विविधता को बढ़ावा देते हैं।

⑥ जलवायु परिवर्तन के सूचक का काम करते हुए। बदलते हुए पछुवातों के पैटर्न

⑦ मौसम पूर्वानुमान में पूर्व चेतावनी प्रणाली की तरह कार्य करते हैं।

अतः पछुवातों का पर्यावरणीय महत्व सकारात्मक तो है ही लेकिन कहीं-कहीं इनका नकारात्मक प्रभाव भी है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. 'संसाधन अभिशाप (Resource Curse)' की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। क्या आपको लगता है कि किसी एक संसाधन पर अत्यधिक निर्भरता उस देश के विकास में बाधा बन सकती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Explain the concept of 'resource curse'. Do you think over dependence on a single resource can hinder a country's development? (Answer in 150 words) 10

संसाधन की कमी के कारण उत्पन्न पिछड़ेपन की स्थिति को संसाधन अभिशाप कहा जाता है। जैसे- मालदीव के लिए पेयजल का अभाव एक संसाधन अभिशाप है।

विकास पर प्रभाव → एक संसाधन पर निर्भरता का प्रभाव

↳ * समावेशी व आर्थिक विकास बाधित होता
* एक आयामी विकास होता है।
eg- खाड़ी देशों की तेल आधारित अर्थव्यवस्था
* आर्थिक सुभेद्यता अधिक हो जाती
eg- श्रीलंका की पर्यटन निर्भरता
* दीर्घकालीन सतत विकास का अभाव eg- आयरलैण्ड

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

* एक संसाधन पर निर्भरता से किसी समाज में असमानता व समानता की हानि
  - eg अफ्रीका का कांगो देश
* आधुनिक विकास संभव नहीं
  - eg भूटान का ग्रीन डवलपमेंट

अधिक अर्थव्यवस्था का विविधीकरण जरूरी होता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. भारत के बड़े शहरों जैसे कि चेन्नई, बेंगलुरु आदि में जल संकट के कारणों की पहचान कीजिए। इस संकट का समाधान करने के लिए उपचारात्मक उपाय सुझाइए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Identify the causes of water crisis in India's mega cities such as Chennai, Bengaluru, etc. Suggest remedial measures to overcome this crisis. (Answer in 150 words) 10

2050 तक भारत की जल माँग 2x होने वाली है वहीं भारत के 11 बड़े शहर (2024) जल संकट के गंभीर स्थिति में है जहाँ भू-जल पूर्णतः समाप्त हो गया।

**कारण**

* परम्परागत जल संसाधनों का संरक्षण न हो पाना
  eg- रामगढ़ बाँध नाला (जयपुर)
* बढ़ती शहरी आबादी (34%)
* भूजल का अधिक दोहन (भारत विश्व का 25% भूजल दोहन)
* ULB की खराब हालत
* अधारणीय विकास - प्राकृतिक जल प्रणाली का अतिक्रमण
  eg- मुम्बई नदी पर बसा शहर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपचारात्मक उपाय

1.) जल जीवन मिशन द्वारा घर घर पाइप द्वारा जल पहुँचाने का लक्ष्य - 2024 तक

2.) जल संभर प्रबंधन कार्यक्रम को शहरों में लागू करना

3.) अटल भूजल मिशन का सार्वभौमिकरण

4.) एग्रो फॉरेस्ट्री, सिटी फॉरेस्ट, आर्द्रभूमियों द्वारा जल ग्रहण को बढ़ाना

5.) SDG-12 Sustainable city and community को बना देना

प्रकृति आधारित शहरीकरण व स्पंज सिटी को बना देना समय की मांग है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. भारत में बदलती पारिवारिक व्यवस्था और मानदंडों को समझने में राज्य एवं बाजार की शक्तियों की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Analyse the role of the state and market forces in understanding the changing family system and norms in India. (Answer in 150 words) 10

भारत में 51.2% एकल परिवार और 48.8% संयुक्त परिवार है। वर्तमान में बाजार, वैश्वीकरण और पश्चिमीकरण के कारण परिवार व्यवस्था में कई बदलाव

पारिवारिक व्यवस्था और मानदंडों में राज्य एवं बाजार की भूमिका

(1) राज्य घरेलू हिंसा, तलाक और भरण-पोषण संबंधी मामलों में हस्तक्षेप करता है। ताकि नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा हो

ex- तीन तलाक का मामला - 2020
- दहेज निषेध अधि - 1961

(2) बाजार की शक्तियाँ माँग व आपूर्ति द्वारा परिवार में हस्तक्षेप

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जैसे- बढ़ता लिव इन रिलेशनशीप
- वर्क कल्चर आदि

परिवारों में व्यक्तिवाद की भावना का बढ़ना, समानता का मुद्दा और आदि की अवधारणा में बदलाव राज्य व बाजार के कारण ही आया है।

— x —

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. चिरकालिक निर्धनता में कमी किंतु हाल ही में निर्धनता से बाहर आए लोगों (newly non-poor) की सुभेद्यता में वृद्धि के मद्देनज़र, भारत उभरती हुई और सतत रूप से विद्यमान चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अपनी सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों को किस प्रकार पुनर्गठित कर सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

With a decline in chronic poverty but a rise in vulnerability among the newly non-poor, how can India restructure its social protection systems to address both emerging and persistent challenges effectively? (Answer in 150 words) 10

'नीति आयोग' की बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार भारत ने 2014 से 2023 के दौरान 225 मिलियन लोगों को चिरकालिक निर्धनता से बाहर निकाला है।

निर्धनता से बाहर आए लोगों की सुभेद्यता के कारण

(1) बुनियादी सेवाओं जैसे- शिक्षा, स्वास्थ्य, भोजन आवास, जलापूर्ति का अभाव।
 ex- भारत में OoPE (out of pocket expenditure) 43% से अधिक है।
(2) कौशल व रोजगार का अभाव है।
 ex- एसोचैम के अनुसार 40-45% स्नातकों के पास रोजगार योग्य कौशल नहीं है
(3) सीमित संसाधन, असमानता, बढ़ती बेरोजगारी, मँहगाई और आर्थिक अवसरों की सीमित

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपलब्धता के कारण सामाजिक सुरक्षा उपायों की जरूरत है।

**सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों को पुनर्गठित करने के उपाय →**

(1.) **क्षमता निर्माण** व **सामुदायिक सशक्तिकरण** द्वारा
↳ नागरिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य, भोजन जैसी और जैसी सीटी सुविधाएं प्रदान करना।
जैसे - PM गरीब अन्न कल्याण योजना
- सर्व शिक्षा अभियान, नई शिक्षा नीति
- आयुष्मान भारत योजना

(2) **रोजगार** व **कौशल विकास** द्वारा
↳ असंगठित क्षेत्र में कार्यरत 90% कार्यबल को पेंशन, बीमा जैसी सुविधाएं प्रदान करना तथा कौशल प्रदान कर संगठित क्षेत्र को बढ़ाना।
जैसे - स्किल इंडिया, ई-श्रम कार्ड, मुद्रा योजना

(3) **प्रशासन** और **नागरिक समाज** को सशक्त कर नागरिक कल्याण करना।

अतः **एजेन्डा - 2030** व **विकसित भारत - 2047** के लिए यह जरूरी है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. तमिल क्षेत्र एवं उसके बाहर की राजनीतिक और सामाजिक-आर्थिक जानकारी प्रदान करने में संगम साहित्य के योगदान को स्पष्ट कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Explain the contribution of Sangam literature in providing political and socio-economic insights into the Tamil region and beyond. (Answer in 250 words) 15

तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से लेकर तीसरी सदी ईस्वी तक तमिल भाषा में रचे गए साहित्य को संगम साहित्य कहा जाता है। यह काल पांड्य, चेर और पोड़ियों के शासन काल का समय था जो प्राचीन भारत का स्वर्णकाल माना जाता है।

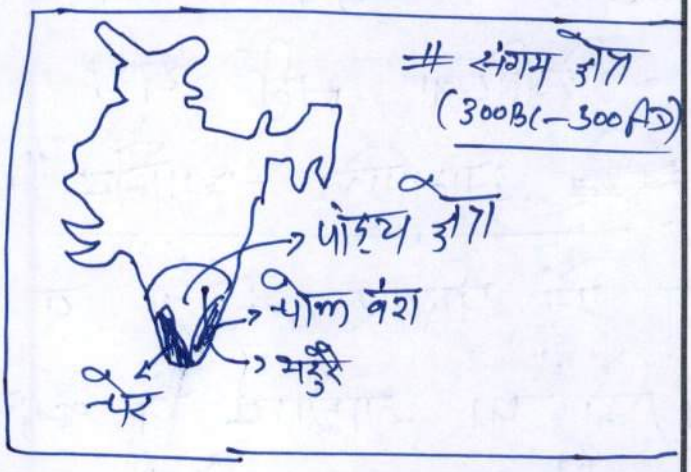


## संगम साहित्य में राजनीतिक जानकारी

(*) संगम काल में राज व्यवस्था थी जहाँ राजा ही सेनापति, व्यवस्थापक और सर्वोच्च न्यायाधीश होता था।

(*) संगम साहित्य में चोल, चेर व

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

पांड्यों के ड्रविण राज्यों के साथ-साथ उत्तर भारत के जनपदों की भी जानकारी मिलती है।

* संगम साहित्य में वीरता और श्रृंगार का अधिक वर्णन मिलता है जो युद्ध की बारम्बारता का द्योतक है।

* सामाजिक जानकारी → समाज में वर्ण-व्यवस्था का प्रचलन था लेकिन जातिवाद में जड़िवादिता नहीं थी।

* ~~~~ सामाजिक-धार्मिक जीवन की धुरी में परिवार, कुटुम्ब व नाडु का महत्व था।

* भूमि पर सामूहिक व व्यक्तिगत दोनों ही अधिकार प्राप्त थे।

* महिलाओं की स्थिति पुरुषों से कमतर थी लेकिन दयनीय नहीं थी। जैसे- मणिमेखलाय महाकाव्य की नायिका

आर्थिक जीवन → * विदेशी व्यापार के कारण राज्य की आर्थिक स्थिति ठीक थी।

* मदुरैय राजधानी और प्रमुख केन्द्र था
* बंदरगाहों से रोमन-साम्राज्य के साथ व्यापार के संकेत मिले हैं।
* भारत से मसालों, मोतियों, हाथी दांत का निर्यात किया जाता था। जबकि विदेशों से घोड़े, इत्र और हथियारों का आयात होता था।

अतः संगम साहित्य तमिल क्षेत्र के प्राचीन जीवन की प्रमाणिक जानकारी उपलब्ध कराता है जिससे पता चलता है कि संगम काल आर्थिक व सांस्कृतिक रूप से समृद्ध समाज था।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. पशु प्रतीकों पर विशेष बल देते हुए बौद्ध धर्म में प्रतीकात्मक भाषा के महत्त्व पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Discuss the significance of symbolic language in Buddhism with special emphasis on animal symbols. (Answer in 250 words) 15

बौद्ध धर्म का उद्भव ईसा की छठी शताब्दी पूर्व भगवान-बुद्ध की शिक्षाओं से हुआ। बौद्ध-धर्म में पशुओं के प्रतीकों का अत्यधिक महत्व है। त्रिपिटक और जातक कथाओं के माध्यम से हम बौद्ध-धर्म की प्रतीकभाषा को जान सकते है।

प्रतीकभाषा का महत्व

(i) बुद्ध के जीवन से जुड़ी घटनाओं को समझाने के लिए पशुओं के प्रतीकों का सहारा लिया जाता है।
Eg- घोड़ा बुद्ध के गृह त्याग का प्रतीक है।
(ii) बौद्ध-भाषा में सांड, सर्प, बैल, सिंह, हाथी का प्रयोग बुद्ध के जन्म, गृहत्याग मृत्यु और ज्ञान प्राप्ति के प्रतीक के

रूप में प्रयुक्त हुए हैं।

③ महाभिनिष्क्रमण - संयास धारण करना तथा सम्बोधि - प्रथम सारनाथ में प्रवचन का प्रतीक है वही महापरिनिर्वाण अनेक देह त्याग का प्रतीक है।

④ बुद्ध स्माइल - बुद्ध के रहस्यवाद का प्रतीक है। ब्रह्म और परलोक के जीवन जैसे गूढ़ प्रश्नों के बुद्ध ने उत्तर न देकर केवल मुस्कुराहट से ही समझाया है।

⑤ महायान की वाममार्गी शाखा व योगाचार विज्ञानवाद में प्रतीक भाषा का महत्व और बढ़ा। सिद्ध अपने प्रवर्ति साधना पद्धति को पंचमकार कहा करते थे।

⑥ नागार्जुन के शून्यवाद में परमसत्ता को 'शून्य' के प्रतीक द्वारा समझाया है।

⑦ इसी प्रतीक भाषा का प्रयोग बौद्ध-दर्शन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के अभिधम्म पीठ में भी किया गया है।

⑧ अशोक के स्तम्भों में पशुओं की आकृतियों का विशेष महत्व है। जैसे - रामपुरवा का नटवा बैल, सारनाथ के सिंह और धौली के हाथी की आकृति।

⑨ इन्हीं प्रतिमा का प्रयोग गंधार, मथुरा और अमरावती मूर्तिकला में भी किया गया जहाँ अभय मुद्रा, भूमिस्पर्श मुद्रा का अंकन

अतः पशु आकृतियाँ और प्रतीक भाषा, साधनात्मक रहस्यवाद और अन्य भावों की प्रतीक है जिसने भारतीय कला संस्कृति को प्रेरणा दी।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. प्रथम विश्व युद्ध ने किस प्रकार भारतीय समाज के लगभग सभी वर्गों के लिए सामाजिक और आर्थिक व्यवधान उत्पन्न किए तथा स्वतंत्रता संग्राम हेतु बड़े पैमाने पर लामबंदी का मार्ग प्रशस्त किया? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

How did the First World War bring in social and economic disruptions for nearly all sections of the Indian society and lead to mass mobilisation for the independence struggle? (Answer in 250 words)

1914 से 1918 ई. के मध्य धुरी-व-मित्र राष्ट्रों के मध्य प्रथम विश्व-युद्ध हुआ। उस समय भारत ब्रिटेन के औपनिवेशिक शासन के अधीन था। इसलिए भारत को बिना जन सहमति के युद्ध में शामिल कर लिया जिसका दूरगामी प्रभाव भारतीय समाज के हर वर्ग पर पड़ा.

प्रथम विश्व-युद्ध का भारतीय समाज और स्वतंत्रता संग्राम पर प्रभाव →

→ आर्थिक व्यवधान → भारतीय सैना को युद्ध में भाग लेना पड़ा जिससे धन व जान-माल की हानि हुई।

→ युद्ध अर्थव्यवस्था के कारण खाद्य व अन्य जरूरी वस्तुओं की मांग बढ़ने से महंगाई बढ़ी तथा भारत में गरीबी और

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बेरोजगारी बढ़ी। जिससे भारतीयों में असंतोष पनपा।

→ भारतीय स्वदेशी उद्योगों को लाभ हुआ लेकिन इसका सकारात्मक प्रभाव अल्पकालीन था तथा 1929ई. के महामंदी काल में उद्योगों की स्थिति बिगड़ी।

→ गाँवों में भुखमरी और गरीबी ने लोगों को अंग्रेजों के खिलाफ लामबंद किया।

सामाजिक अवधान

↳ * भारतीय गाँवों से सिपाहियों की जबरन भर्ती के कारण अंग्रेजों के प्रति गुस्सा जगा

* समाज में नस्लीय भेदभाव के खिलाफ जागरूकता उत्पन्न हुई

* श्वेत जाति का भार जैसी धारणा टूटी

सकारात्मक प्रभाव

↳ # ब्रिटिश शासन की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण भारतीय भारी उद्योगों को लाभ जैसे- लौह इस्पात उद्योग, टेक्सटाइल इंडस्ट्री

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

# यूरोपीय अपराजिता का भ्रम टूटा जिसे भारतीयों में अंग्रेजों को हराने व सशस्त्र क्रांति का आत्मविश्वास आया।

# युद्ध के मैदान से लौटे सिपाहियों ने समाज में नई प्रेरणा के संचार

# आत्मनिर्णयन के अधिकार के कारण भारतीयों में होमरूल व स्वराज की उम्मीद जगी।

# युद्ध ने राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया

# युद्ध के बाद 1919 में मोंटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधारों का मार्ग प्रशस्त हुआ।

अतः प्रथम विश्व युद्ध ने भारतीयों की उम्मीदों को बढ़ा दिया और वो पूरी नहीं हुई तो असंतोष की अभिव्यक्ति अखिल भारतीय स्तर पर 1920ई. के असहयोग आन्दोलन में हुई।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. भारत में दुग्ध उत्पादन में किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है? भारत में श्वेत क्रांति 2.0 कैसे साकार हो सकती है? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

What are the challenges faced in milk production in India? How can India bring about White Revolution 2.0? (Answer in 250 words) 15

भारत दुनिया का 25% दुग्ध उत्पादन करके विश्व में प्रथम स्थान पर है। डेयरी उद्योग के माध्यम से कृषि-GVA में पशुपालन 30% का योगदान और राष्ट्रीय GDP में 5% का योगदान देता है।

भारत में दुग्ध उत्पादन में चुनौतियाँ

① पशुओं की निम्न उत्पादकता - भारत में दुनिया के सर्वाधिक मवेशी है लेकिन उनकी दुग्ध उत्पादकता फिनलैण्ड, ऑस्ट्रेलिया से 3X कम है।

② चारे और पशु-आहार की कमी - कृषि क्षेत्र के विस्तार के कारण चारागाह में 30% की कमी आयी है। यही हरा चारा

का उत्पादन भी मांग के अनुसार नहीं है।

④ **दुग्ध प्रसंस्करण ढांचा का अभाव** - भारत में कुल दुग्ध उत्पादन का मात्र 20% ही प्रसंस्कृत किया जाता है जबकि यह USA में 80% और फिनलैण्ड में 90% है।

⑤ **डेयरी तकनीकों व मशीनीकरण का अभाव** भारत में हाई-टेड मशीनरी के अलावा निम्न तकनीक का भी अभाव है।

⑥ **लम्पी महामारी** - के कारण राजस्थान, गुजरात में 35% गौवंश की मृत्यु से दुग्ध उत्पादन 20-25% कम हुआ।

⑦ **जलवायु परिवर्तन** के प्रति सुभेद्यता के कारण इस बार गर्मी में 'हीट वेव' से दुग्ध उत्पादन में 15-20% की कमी हुई है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

श्वेत क्रांति 2.0 हेतु उपाय

1.) अमूल के सहकारी मॉडल को प्रत्येक राज्य को अपनाना होगा। भारत में 2 लाख गाँवों में डेयरी सहकारी समिति का विस्तार करना

2.) पशु-आहार के लिए चारा फसलों का उत्पादन बढ़ाने के साथ ही आयात में छूट देना

3.) राष्ट्रीय गोकुल मिशन को सही तरीके से क्रियान्वित कर देशी नस्लों की उत्पादकता बढ़ाना।

4.) जैव प्रौद्योगिकी द्वारा पशु रोगों का उपचार

5.) राष्ट्रीय डेयरी आयोग को अधिक स्वायत्तता

6.) बजटीय प्रावधान को कृषि से अलग कर अधिक धन आवंटन करना होगा।

एकीकृत कृषि, एग्रो फॉरेस्ट्री से पशुपालन को जोड़कर स्मार्ट व जलवायु अनुकूल डेयरी उद्योग को बनाकर ही वर्गीज कुरियन जी के सपने को साकार कर सकते हैं।

**15.** जलवायु परिवर्तन विश्व भर में उष्णकटिबंधीय वर्षावनों को किस प्रकार प्रभावित करता है? जलवायु परिवर्तन के हानिकारक प्रभावों से उन्हें बचाने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

How does climate change impact tropical rainforests worldwide? What measures can be taken to safeguard them from detrimental effects of climate change? (Answer in 250 words) 15

IPCC की 6th आकलन रिपोर्ट के अनुसार बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग और मानवीय गतिविधियों का सर्वाधिक प्रतिकूल प्रभाव वर्षावनों की जैवविविधता पर पड़ा है यह विश्व के प्रमुख टिपिंग पॉइंट में से एक है।

**जलवायु परिवर्तन का वर्षावनों पर प्रभाव**

1. जैव-विविधता में कमी हुई है। eg- वर्षावनों की 35% प्रजातियाँ विलुप्ती के कगार पर
2. हीट वेव, फॉरेस्ट फायर की घटना में बढ़ोतरी eg- ऑस्ट्रेलिया बुशफायर
3. चरम मौसमी घटनाओं के कारण प्रतिकूल प्रभाव eg- बाढ़, जलप्लावन

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ उष्णकटिबंधीय वर्षावनों में कम होती विविधता के कारण इनके उत्पादन की दर में कमी
eg- ब्राजील के अमेजोन वनों में सघनता में कमी आयी।

→ ग्लोबल वार्मिंग के कारण वर्षावन में भीषण गर्मी के प्रति अनुकूलनता का अभाव

अन्य कारण
↳ मानवीय गतिविधियाँ
↳ खनन गतिविधियाँ
↳ वेनेजुएला में तेल के लिए जंगल नष्ट

→ अति दोहन
- वन कटान
↳ स्थानीय आबादी का विस्थापन

उपाय → * बॉन चैलेंज को अपनाते हुए आगामी 2030 तक के वर्षों में 350 मिलि. भूमि पर वृक्षारोपण करना

* ग्लासगो-CoP-26 ... कन्वेंशन COP-28 में वर्षावनों पर समझौता लागू करना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

* ग्लासगो फाइनेंस का एक हिस्सा वर्षावनों पर खर्च करना
* डी-कार्बनाइजेशन के तहत वनों की कटाई को रोकना होगा
* स्थानीय व देशज लोगों का पुर्नवास कर संरक्षण का सांस्कृतिक आधार
* जन जागरूकता, ग्रीन पीस जैसे NGO और अर्थ फंड जैसे पेरिकोम कैंपेन
* जैव विविधता के हॉट स्पॉट और होम स्पॉट द्वारा संरक्षण
* जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूलन शमन के लिए लॉस एंड डेमेज फंड का प्रयोग करना।

वर्षावन पृथ्वी के फेफड़े कहलाते है जो ऑक्सीजन के भंडार है। इनका संरक्षण SDG-13, SDG-14 & 15 के लिए जरूरी है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. भारत में औद्योगिक समूहों के उद्भव हेतु उत्तरदायी प्रमुख कारकों का उल्लेख कीजिए। इन समूहों के भीतर परिचालन करने से उद्यमों को क्या लाभ मिलता है? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Mention the key factors responsible for the emergence of industrial clusters in India. What benefits do enterprises gain from operating within these clusters? (Answer in 250 words) 15

भारत में 'फिक्की' की स्थापना 1927 ई. में राष्ट्रीय आन्दोलन के दौरान उद्योगपतियों के हितों की सुरक्षा के लिए गांधी जी की प्रेरणा से की गई। औद्योगिक समूह सरकार व राज्य के समक्ष अपनी मांगों व राष्ट्र के औद्योगिक वातावरण को बेहतर बनाने के लिए काम करता है। जैसे- फिक्की

**उद्भव हेतु उत्तरदायी कारक**

1. राष्ट्रीय आन्दोलन से जुड़ाव के कारण
2. भारत में औद्योगिक शासन को बेहतर बनाने के प्रयासों के कारण
3. ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार से भारतीय औद्योगिक हितों की रक्षा हेतु।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4.7 स्वतंत्र भारत में उद्योगों के हितों की रक्षा व राष्ट्र के आर्थिक विकास में सहयोग हेतु ex- बॉम्बे प्लान

5.7 L.P.G. रिफॉर्म के बाद बढ़ते वैश्वीकरण में भारतीय उद्योगों के प्रतिनिधि स्वरूप औद्योगिक समूह से उद्योगों को लाभ

6.7 नीति निर्माण में सामूहिक आवाज ex- सूरत हीरा उद्योग के संघ ने सामूहिक माँगों के लिए हड़ताल

2.7 सकारात्मक दबाव-समूह की भूमिका निभाने के लिए। जैसे- बजट से पूर्व इन समूहों द्वारा सरकार के समक्ष अपनी माँगों को रखा जाता है।

3.7 अपने पक्ष में नीति-निर्माण हेतु जैसे- हथकरघा समूहों द्वारा धरती के लिए

4.7 सामूहिक लाभ के सिद्धान्त के तहत

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अतः औद्योगिक समूह किसी राष्ट्र के उद्यमिता परिवेश के निर्धारण में अहम भूमिका निभाता है। यह देश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ाने की माँग करता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. वस्त्र क्षेत्रक में भारत के अपने प्रतिस्पर्धियों की तुलना में खराब प्रदर्शन के लिए कौन-से कारण उत्तरदायी हैं? भारत इस श्रम-प्रधान उद्योग में किस प्रकार प्रतिस्पर्धी बन सकता है? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

What are the reasons behind India's underperformance in the textile sector compared to its competitors? How can India become competitive in this labour-intensive Industry. (Answer in 250 words) 15

'वस्त्र क्षेत्रक' भारत के प्रमुख रोजगार प्रदान करने वाले उद्योगों में से एक है जो देश के कुल निर्यात में 13% और रोजगार में -11% का योगदान देता है। यह भारत के सबसे पुराने उद्योगों में से भी एक है।

खराब प्रदर्शन के कारण

1. चीन, वियतनाम और बांग्लादेश से अधिक प्रतिस्पर्धा के कारण भारतीय टेक्सटाइल क्षेत्र का निर्यात नहीं बढ़ पा रहा।

2. बांग्लादेश की तरह भारत में सूक्ष्म इकाइयों की संख्या कम है।

3. वियतनाम में एक यूनिट 10000 से 50000 लोगों को रोजगार देती है जबकि

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत में मात्र - 2000 से 2000।

4> msme क्षेत्र के टेक्सटाइल यूनिट्स के पास क्रेडिट, तकनीक और नए बाजार तक पहुँच सीमित है।

5> उन्नत तकनीकी परिवर्तन का अभाव है।

6> कम्प्यूटर ऐडेड डिजाइन प्रणाली में भारत पीछे रहा है।

7> सरकारी सहयोग का अभाव है।

8> विमुद्रीकरण व GST जैसे बड़े बदलावों का प्रभाव नकारात्मक रहा (अल्पकाल में)

उपाय → 1> msme सेक्टर को क्रेडिट व तकनीकी प्रोत्साहन देना
→ 2> इकोनॉमी ऑफ स्केल के साथ-साथ सूक्ष्म उद्यमों को बढ़ावा
3> इज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ाना

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4.7 PLI स्कीम में टेक्सटाइल क्षेत्र को जोड़ना

5.7 टेक्नीकल टेक्सटाइल को बढ़ावा देना

6.7 सीडबी व मुद्रा बैंक द्वारा छोटी यूनिट्स को लोन दिलाना

7.7 संरचनात्मक सुधार जैसे- टेक्सटाइल पूंजीगत मशीनरी पर आयात शुल्क घटाना

भारत के वस्त्र उद्योग में रोजगार व आर्थिक विकास की अकूत संभावना है। अतः उसे बढ़ावा देना होगा। ताकि 5 ट्रिलियन डॉलर की GDP में वस्त्र क्षेत्र अपना रोल प्ले कर सके।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**18.** वर्ष 2050 में भारत की लगभग 20% जनसंख्या के 60 वर्ष से अधिक आयु के होने की संभावना है, इसके मद्देनज़र क्या आपको लगता है कि भारत के लिए 'सिल्वर डिविडेंड' की अवधारणा को अपनाने का यह सही समय है? सिल्वर डिविडेंड से लाभ प्राप्त करने हेतु भारत द्वारा कौन-से उपाय अपनाए जाने चाहिए? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

With around 20% of India's population expected to be over 60 years old in 2050, do you think it is the right time for India to embrace the concept of 'silver dividend'? What measures should India take to reap the benefits of this dividend? (Answer in 250 words) 15

'सिल्वर डिविडेंड' से आशय 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की उत्पादकता बढ़कर उनकी सामाजिक प्रेक्षी व अनुभव का लाभ राष्ट्र को प्राप्त हो। भारत में वृद्धजनों की आबादी वर्तमान में (9.4%) है जो 2050 तक (20%) हो जायेगी।

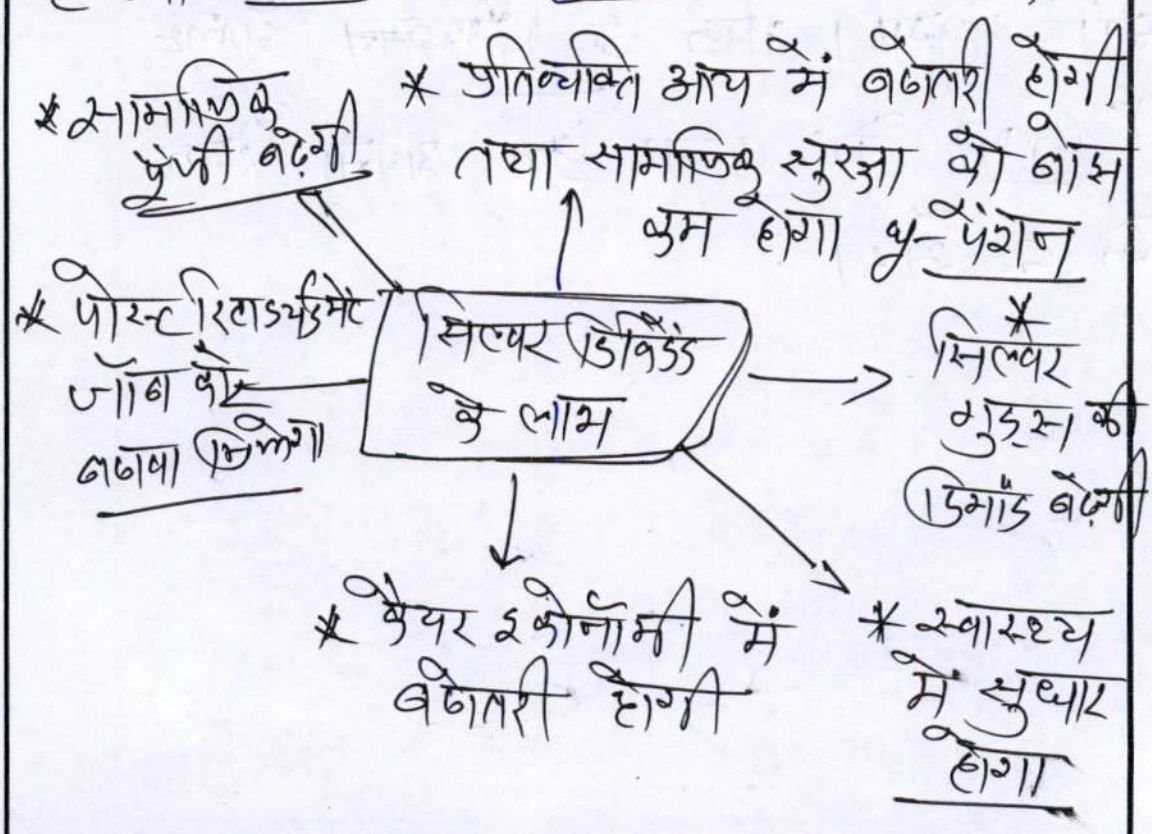

**चुनौतियाँ**

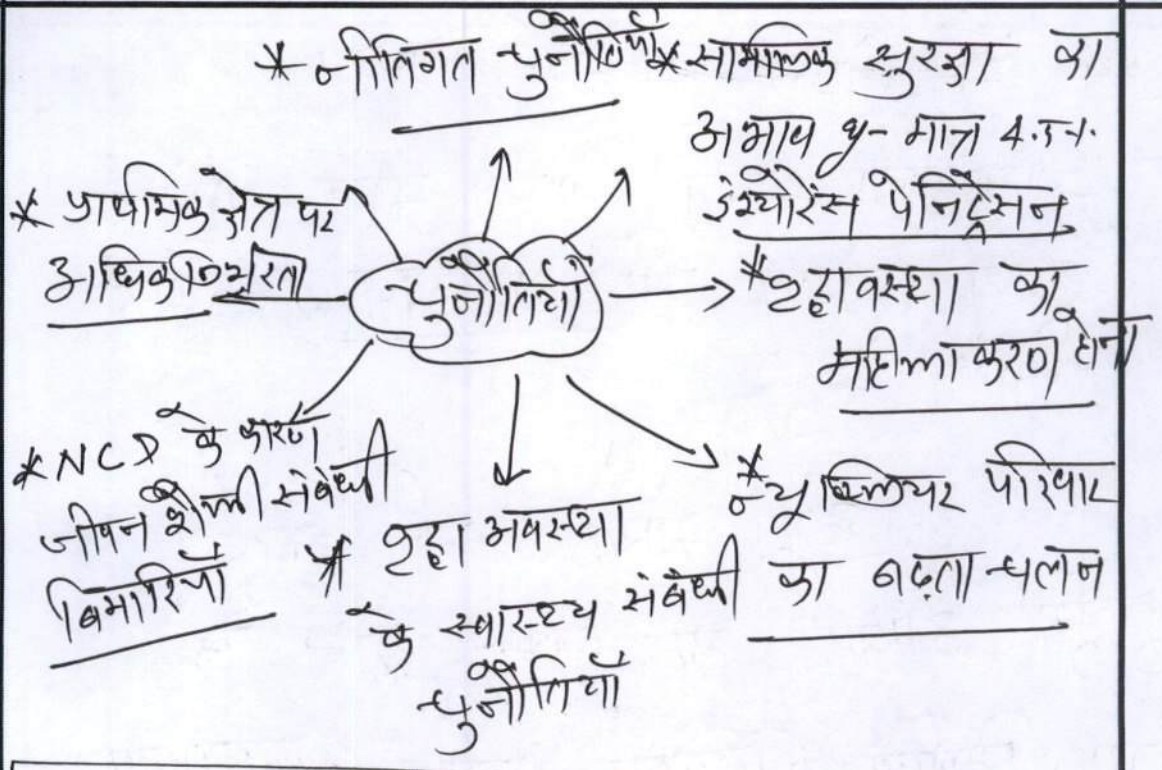

- * नीतिगत चुनौतियाँ
- * सामाजिक सुरक्षा का अभाव ए- मात्र 4.5% इंश्योरेंस पेनिट्रेशन
- * वृद्धावस्था का महिलाकरण होना
- * न्यूक्लियर परिवार का बढ़ता चलन
- * वृद्ध अवस्था के स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियाँ
- * NCD के कारण जीवन शैली संबंधी बिमारियाँ
- * प्राथमिक क्षेत्र पर अधिक निर्भरता

**भारत द्वारा अपनाये गए उपाय**

1.) राष्ट्रीय वृद्धजन बचत योजना के माध्यम से राष्ट्रीय बचत व सामाजिक सुरक्षा

2.) वृद्धावस्था पेंशन का प्रावधान
जैसे- PM वृद्धजन वयो योजना
- अटल पेंशन योजना

3.) केयर इकोनॉमी में 300 मिलियन रोजगार की संभावना को देखते हुए घरेलू सहायकों को श्रम संहिता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- 2020 में जोड़ने का कार्य किया।

47 आयुष्मान भारत योजना द्वारा सार्वभौमिक हेल्थ कवरेज का प्रावधान (50 करोड़ लोगों हेतु)

अतः भारत अपनी बढ़ती बुजुर्ग आबादी का लाभ उठाने के लिए सिल्वर इकोनॉमी की अवधारणा हेतु वृद्धजनों के कल्याण के प्रति नीतिगत पहल की ज़रूरत है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. भारत में प्रौद्योगिकी ने महिलाओं को पितृसत्तात्मक बाधाओं को दूर करने और परंपरागत भूमिकाओं से परे अपनी भागीदारी का विस्तार करने में किस प्रकार सक्षम बनाया है? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

How has technology enabled women to overcome patriarchal constraints and expand their engagement beyond traditional roles in India? (Answer in 250 words) 15

भारत में 78% महिलाओं के पास बैंक खाता है और 54% महिलाएं मोबाइल फोन का यूज करती है- (स्रोत- NFHS-5 के आँकड़े)

प्रौद्योगिकी की भूमिका

1-> सामाजिक गतिशीलता में बढोतरी हुई जैसे- गिग वर्कर में बढ़ी आबादी महिलाओं की - ऑनलाइन व्यवसाय में कैरियर

2-> अवसरों की पहचान व पहुँच- प्रौद्योगिकी द्वारा महिलाएं ग्लास सिलिंग को तोड़ने में सफल हो रही।

3-> उद्यमिता में महिलाओं की हिस्सेदारी प्रौद्योगिकी के कारण

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

जैसे - भारत के 14% स्टार्टअप महिलाओं द्वारा चलाये जा रहे है।

4) अपने पसंद के काम को कैरियर बनाकर आर्थिक सशक्तीकरण - जैसे - फाल्गुनी नायर ने फैशन डिजाइनिंग से आज यूनिकॉर्न तक का सफर किया

5) अपराधों व यौन उत्पीड़न के प्रति जागरूक किया। eg- मि टू आन्दोलन भारत मे भी सफल रहा।

6) पढाई और कौशल में प्रौद्योगिकी ने महिलाओं को आर्थिक सक्षम बनाया

चुनौतियां -> (1) डिजिटल जेंडर असमानता
eg- मात्र -35% महिलाओं की पहुंच ही इंटरनेट तक है।

(2) प्रौद्योगिकी का दुरुपयोग - महिलाएं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सर्वाधिक सुभेद्य वर्ग है।
जैसे - साइबर बुलिंग, स्टॉकिंग, फ्रिशिंग

③ डिजिटल साक्षरता का अभाव भी आज महिलाओं के लिए नई दीवार बन गयी है

आगे की राह → ① प्रौद्योगिकी को जेंडर-न्यूट्रल बनाना होगा

② साइबर सिक्योरिटी के लिए विशेष प्रावधान eg IT कानून 2021

③ आर्थिक सशक्तीकरण के लिए AI, डेटा मशीन लर्निंग के क्षेत्र में कौशल अर्जित करना

SDG-5 की प्राप्ति के लिए प्रौद्योगिकी का सही प्रयोग जरूरी है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**20.** क्या आपको लगता है कि भारत में क्षेत्रवाद मुख्य रूप से कई अलग-अलग भाषाई पहचानों के अस्तित्व का परिणाम रहा है? उदाहरण सहित विवेचना कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Do you think that regionalism in India has mainly been a result of existence of multiple distinct linguistic identities? Discuss with examples. (Answer in 250 words) 15

क्षेत्रवाद से तात्पर्य किसी क्षेत्र के प्रति भावनात्मक जुड़ाव की भावना रखने से है। जब क्षेत्रवादी भाव राष्ट्रीय भाव का विरोधी होने लगे तो यह खतरा बन जाता है। क्षेत्रवाद ~~भाषा, धर्म, नस्ल, के आधार पर हो सकता~~

भाषीय क्षेत्रवाद के उदाहरण

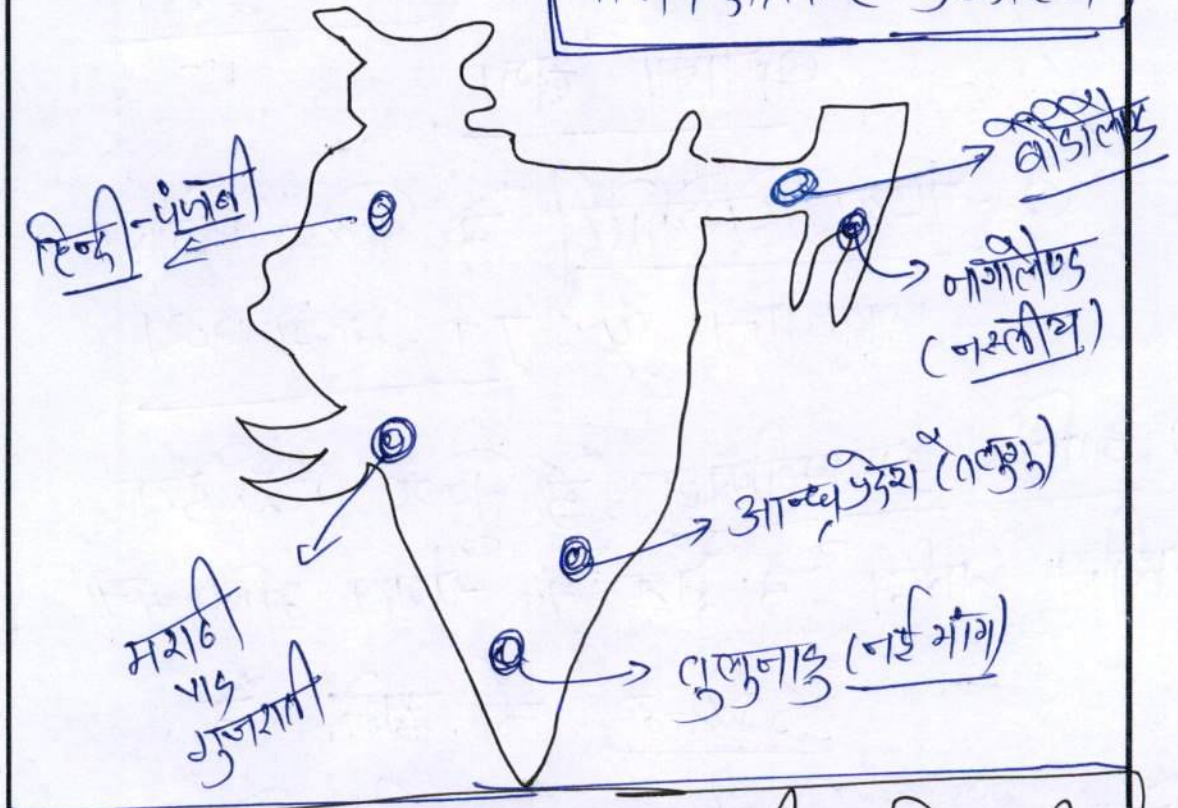


भारत में क्षेत्रवाद और भाषायी अस्तित्व की पहचान।

(1947 देश की आजादी के बाद से ही

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भाषायी आधार पर राज्यों के गठन की मांग उठने लगी।

* धर आयोग (1948), जे. वी. पी. समिति ने भाषा के आधार पर राज्यों के गठन की मांग को अस्वीकार किया।

* फजल अली आयोग (1953) की रिपोर्ट के अनुसार भाषा के आधार पर राज्यों का गठन स्वीकार गया; लेकिन समय - समय पर यह मांग उठती रही।

* सर्वप्रथम 'आन्ध्रप्रदेश' (1953) का गठन भाषा के आधार पर हुआ। बाद में महाराष्ट्र से गुजरात, और पंजाब से हरियाणा को अलग कर राज्य बनाया गया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भाषा के अलावा भी क्षेत्रवाद के कई कारण रहे।—

(1) नस्लीय पहचान के आधार पर अलग राज्य की मांग - नागालैण्ड, गोरखालैण्ड

(2) धर्म के आधार पर e.g. खालिस्तान

(3) सांस्कृतिक वंचना व आर्थिक पिछड़ापन के कारण e.g. मराठवाड़ा, झारखण्ड, पूर्वांचल

(4) ऐतिहासिक एकता के आधार पर e.g. ग्रेटर नागालैण्ड

अतः क्षेत्रवादी भावनाओं को संतुष्ट करने के लिए समावेशी विकास, शक्तियों का विकेन्द्रीकरण और राष्ट्रीयता का प्रसार जरूरी होता है।